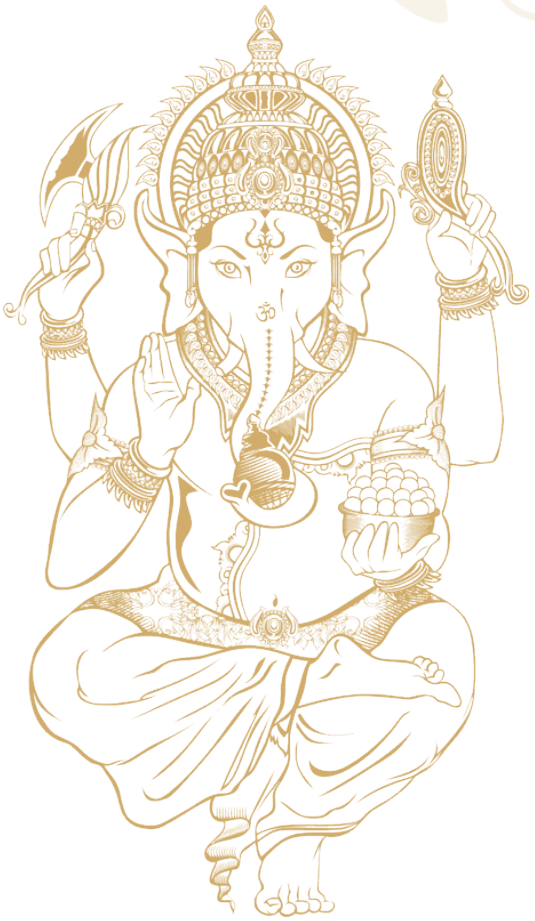

Nitya

10 Feb 2026

01:02 PM

Kharkhauda

Model: web-freekundliweb

Order No: 121646013

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**10/02/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**13:02:00 घंटे**
इष्ट	01:11:45 घटी
स्थान	**Kharkhauda**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	88:50:00 उत्तर
रेखांश	77:44:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:42:56 घंटे
वेलान्तर	-00:14:13 घंटे
साम्पातिक काल	22:04:31 घंटे
सूर्योदय	12:33:17 घंटे
सूर्यास्त	00:33:14 घंटे
दिनमान	-12:00:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	27:20:23 मकर
लग्न के अंश	03:08:58 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ध्रुव
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ना-नन्दिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	03:08:58	991:38:24	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
सूर्य			मक	27:20:23	01:00:44	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	05:51:44	11:52:00	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	नीच राशि
मंगल		अ	मक	19:48:30	00:47:09	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	उच्च राशि
बुध			कुंभ	11:35:21	01:41:22	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:11:45	00:05:23	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	05:37:54	01:15:10	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
शनि			मीन	05:22:31	00:06:25	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:54:32	00:00:29	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:54:32	00:00:29	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:15:11	00:00:20	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:11:23	00:01:52	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:45:54	00:01:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	04:46:32	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

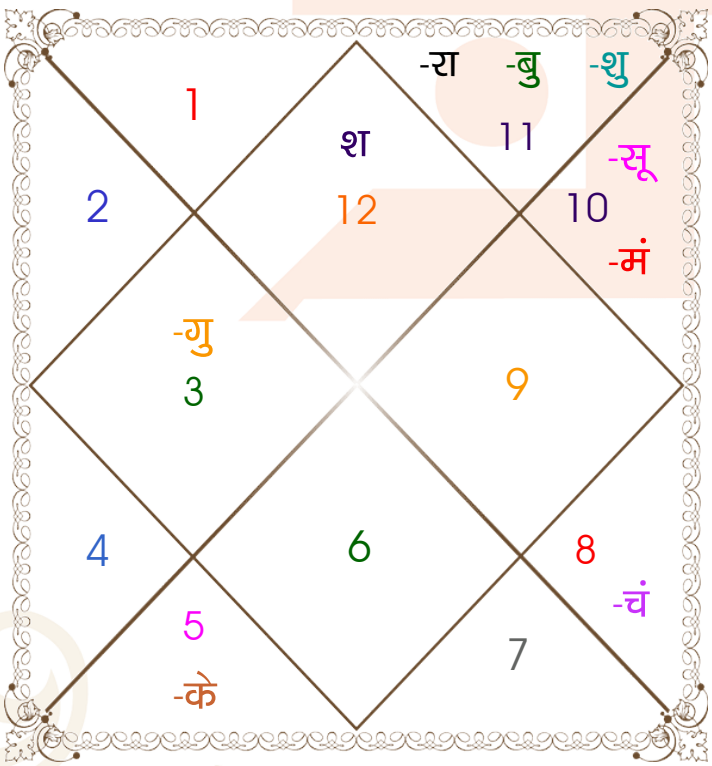

चन्द्र कुंडली

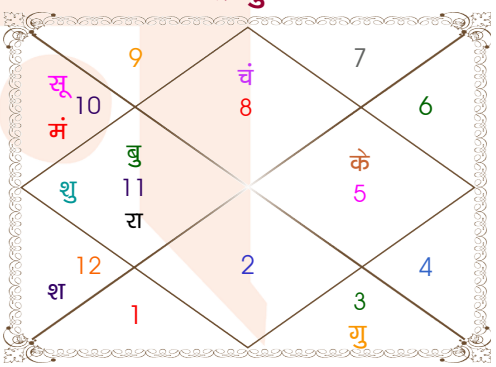

नवमांश कुंडली

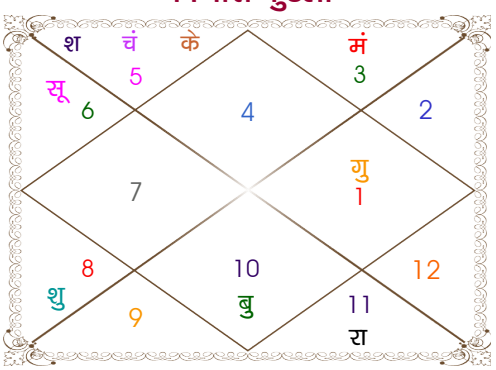

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 15 वर्ष 4 मास 22 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/02/2026		04/07/2041		05/07/2058		04/07/2065		04/07/2085	
04/07/2041		05/07/2058		04/07/2065		04/07/2085		05/07/2091	
	10/02/2026	बुध	01/12/2043	केतु	01/12/2058	शुक्र	03/11/2068	सूर्य	22/10/2085
बुध	17/03/2028	केतु	27/11/2044	शुक्र	31/01/2060	सूर्य	03/11/2069	चंद्र	23/04/2086
केतु	25/04/2029	शुक्र	28/09/2047	सूर्य	07/06/2060	चंद्र	05/07/2071	मंगल	29/08/2086
शुक्र	25/06/2032	सूर्य	04/08/2048	चंद्र	06/01/2061	मंगल	03/09/2072	राहु	23/07/2087
सूर्य	07/06/2033	चंद्र	03/01/2050	मंगल	04/06/2061	राहु	04/09/2075	गुरु	10/05/2088
चंद्र	06/01/2035	मंगल	31/12/2050	राहु	23/06/2062	गुरु	05/05/2078	शनि	22/04/2089
मंगल	15/02/2036	राहु	20/07/2053	गुरु	29/05/2063	शनि	04/07/2081	बुध	27/02/2090
राहु	22/12/2038	गुरु	26/10/2055	शनि	07/07/2064	बुध	04/05/2084	केतु	05/07/2090
गुरु	04/07/2041	शनि	05/07/2058	बुध	04/07/2065	केतु	04/07/2085	शुक्र	05/07/2091

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/07/2091		05/07/2101		05/07/2108		06/07/2126		06/07/2142	
05/07/2101		05/07/2108		06/07/2126		06/07/2142		00/00/0000	
चंद्र	04/05/2092	मंगल	02/12/2101	राहु	18/03/2111	गुरु	23/08/2128	शनि	09/07/2145
मंगल	03/12/2092	राहु	20/12/2102	गुरु	11/08/2113	शनि	06/03/2131	बुध	11/02/2146
राहु	04/06/2094	गुरु	26/11/2103	शनि	17/06/2116	बुध	11/06/2133		00/00/0000
गुरु	04/10/2095	शनि	04/01/2105	बुध	04/01/2119	केतु	18/05/2134		00/00/0000
शनि	05/05/2097	बुध	01/01/2106	केतु	23/01/2120	शुक्र	16/01/2137		00/00/0000
बुध	04/10/2098	केतु	30/05/2106	शुक्र	23/01/2123	सूर्य	04/11/2137		00/00/0000
केतु	05/05/2099	शुक्र	30/07/2107	सूर्य	17/12/2123	चंद्र	06/03/2139		00/00/0000
शुक्र	04/01/2101	सूर्य	05/12/2107	चंद्र	17/06/2125	मंगल	10/02/2140		00/00/0000
सूर्य	05/07/2101	चंद्र	05/07/2108	मंगल	06/07/2126	राहु	06/07/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 15 वर्ष 4 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके द्वारा यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भावुक एवं स्वेच्छाचारी प्रवृति की प्राणी हैं। आपका जन्मफल ऐसा सूचित कर रहा है कि आपका जीवन अत्यंत आनंद पूर्वक अपने प्रेमी एवं सुरा से युक्त जीवन यापन करेंगी। अर्थात् आपको सुरा और सुन्दर से लगाव रहेगा।

आप प्रेम लीला को प्रथम सर्वोच्च स्थान देती हैं। आप सुंदर, मनोहर, प्रतिभाशाली एवं बुद्धिमान पुरुष को पसंद करती हैं। आपके जीवन का उद्देश्य एवं मुख्य अभिरूचि प्रेम-संबंध स्थापित करना है। इसके पश्चात अति धनी बनने के प्रति अभिरूचि रखेंगी। आपको अपने जीवन साथी के चयन हेतु कन्या एवं कर्क राशि या जन्म लग्न के जातकों में से किसी का भी चयन करना चाहिए।

आपका संबंध आपको बिस्तर पर लेटने वाले साथी के साथ रहेगा। इसके पश्चात् आप अन्यों के साथ भी मिलती जुलती अर्थात् सम्मिलित रहेंगी। आप दोनों पक्ष के लिए सशंकित रहोगी। यदि आप इर्ष्यायुक्त होकर अपने विचार से किसी को निर्वासित कर दी तो आप बहुत आनंदपूर्वक घरेलू जीवन व्यतीत कर सकेंगी तथा अच्छी प्रकार प्रिय संतान से युक्त हो जाओगी।

आपका अन्य पक्ष यह है कि आप सतर्कता पूर्वक अपने मित्रों का चयन करने में अग्रसर होंगी। इसके पश्चात आप वहिर्गामी हो कर विश्वसनीयता एवं तत्परता से युक्त होंगे। इसके पश्चात आप मन ही मन यह अनुभव करोगी कि वे लोग आपकी कार्य-योजना में आपके साथ कोई धोखा धड़ी किए है। इस प्रकार की संभावित घटनाओं के पूर्व मित्रमंडली का उत्कर्षण आवश्यक है। उत्कर्षित मित्र बनाना भी नितांत आवश्यक है।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक धन उपार्जन कर, धन प्रदान करेंगी। आप धन का संचय कर व्यवसाय कर सकती हों। आप अपने लिए सुगमता पूर्वक धन प्राप्त करने के सुगम पथ का परित्याग कर कठिन श्रम से अपने कर्म उद्देश्य के प्रति समर्पण की भावना से युक्त होंगी। अब के बाद निश्चित रूप में मद्यपान के प्रति अपनी आशक्ति रोगादि को आमंत्रित करेंगी। जैसे गैस्टिक दिक्कते, क्षय रोगादि। हृदय संबंधी दिक्कतों से सदैव आक्रांत रहेंगी। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु निश्चित रूप से मद्यपान का परित्याग करें। इस प्रवृति को स्वीकार करने से आपकी आलोचना होगी। अतएव मद्यपायी प्रवृति को त्याग दें।

मीन राशि वाले द्वि स्वाभात्मक प्राणी होते है। आप अन्यों के विचार से एक पहेली है जैसा कि अपने लिए भी हैं। कई बार अन्य लोग आपके बारे में समझ नहीं पाते है। वे लोग आपके लक्ष्य के संबंध में नहीं समझ पाते हैं। आपकी विभिन्न अवस्थाओं का मूल्यांकन करना उनके लिए सरल नहीं है। आप सदैव कल्पना लोक में विचरण करती हो। इस प्रकार की बातों का सत्यता से कोई संबंध नहीं है। यह आपकी समस्याओं को स्वीकार करता है। अतएव आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एकदम आश्वस्त नहीं है। आप इस प्रकार अनिश्चित एवं

हतोत्साहित हो सकती हैं। फलस्वरूप आप पीछे रह जाओगी तथा आपका विश्वास दूसरों के द्वारा सामंजस्य पूर्ण बन जाएगा तथा प्रतिज्ञा करना पड़ेगा। इस प्रकार आप अपनी अभिलाषा के अनुरूप सुव्यवस्थित हो कर निश्चित रूप से आरामदायक जीवन व्यतीत कर सकेंगी।

मीन राशीय प्रभाव के पीछे केंद्रीय बिंदु यह है कि आप गुह्य विद्या, रहस्यात्मक, व्यापार संघ, ध्यान साधना एवं मनोवैज्ञानिक के रूप में व्यवसाय अपना सकती हैं। मीन राशीय प्रभाव से आप धार्मिक कार्य के पीछे समर्पित रहेंगी तथा धर्म नेता के रूप में उत्सुक हो कर माननीय बंधन से मुक्त हो सकती हैं। आपका अंतिम लक्ष्य आपकी कल्पना शक्ति के अनुसार मोक्ष प्राप्त करना अथवा उद्धार हो कर यथार्थ रूप से सामरिक अस्तित्व को पुनः प्राप्त नहीं करें। अर्थात् पुर्नजन्म न हो ऐसा है।

आप अपनी बुद्धि के अनुसार चाहे जो भी उसी कार्य के प्रति पीछे पड़ जाती हैं तथा कठिन श्रम करेंगी तथा संबंधित लाभांश भी प्राप्त करेंगी। आपके लिए काल्पनिक अर्थात् आदर्श कार्य व्यवसाय, प्रशासनिक पदाधिकारी अथवा सरकारी विभाग उपयुक्त है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में रविवार, गुरुवार, मंगलवार का दिन उच्चस्तरीय अनुकूलता से युक्त है। परंतु इसके अतिरिक्त बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल हैं।

आपके लिए लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग सुखद एवं लाभदायक है, परंतु रंग हरा, क्रीम एवं सफेद रंग आपके जीवन साथी के लिए अनुकूल है। आप नीले रंग का व्यवहार न करें।